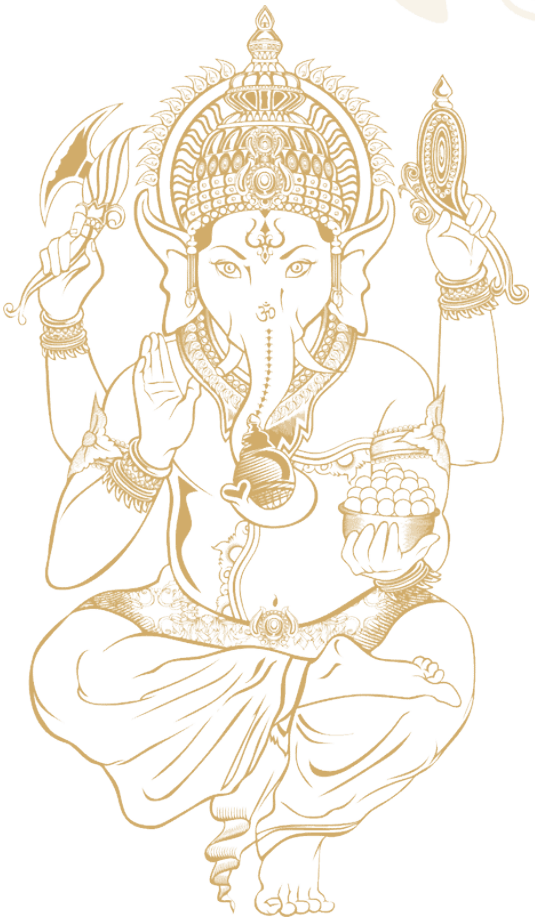

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120324602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/11/2025	जन्म तिथि	26/11/2024
बुधवार	दिन	मंगलवार
घंटे 09:44:00	जन्म समय	09:44:00 घंटे
घटी 07:22:37	जन्म समय(घटी)	07:22:12 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Delhi
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:46:57	सूर्योदय	06:53:03
17:40:37	सूर्यास्त	17:24:05
24:13:12	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:16

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 6वर्ष 2मा 13दि	19:15:53	धनु	लग्न	धनु	17:43:07	चन्द्र 6वर्ष 11मा 6दि
चन्द्र	09:56:10	वृश्चि	सूर्य	वृश्चि	10:11:22	चन्द्र
26/11/2025	15:03:37	मक	चंद्र	कन्या	14:05:18	26/11/2024
09/02/2032	21:30:29	वृश्चि	मंगल	कर्क	11:12:54	02/11/2031
00/00/0000	27:40:40	तुला व	बुध व	वृश्चि	28:28:02	00/00/0000
00/00/0000	00:34:59	कर्क व	गुरु व	वृष	23:37:17	00/00/0000
26/11/2025	29:54:52	तुला	शुक्र	धनु	22:51:57	26/11/2024
गुरु 11/05/2026	00:56:28	मीन व	शनि	कुंभ	18:35:12	गुरु 01/02/2026
शनि 10/12/2027	20:09:45	कुंभ व	राहु व	मीन	10:48:08	शनि 03/09/2027
बुध 11/05/2029	20:09:45	सिंह व	केतु व	कन्या	10:48:08	बुध 01/02/2029
केतु 10/12/2029	05:01:51	वृष व	हर्ष व	वृष	00:39:40	केतु 02/09/2029
शुक्र 11/08/2031	05:12:38	मीन व	नेप व	मीन	02:57:59	शुक्र 04/05/2031
सूर्य 09/02/2032	07:34:59	मक	प्लूटो	मक	05:55:03	सूर्य 02/11/2031

लग्न-चलित

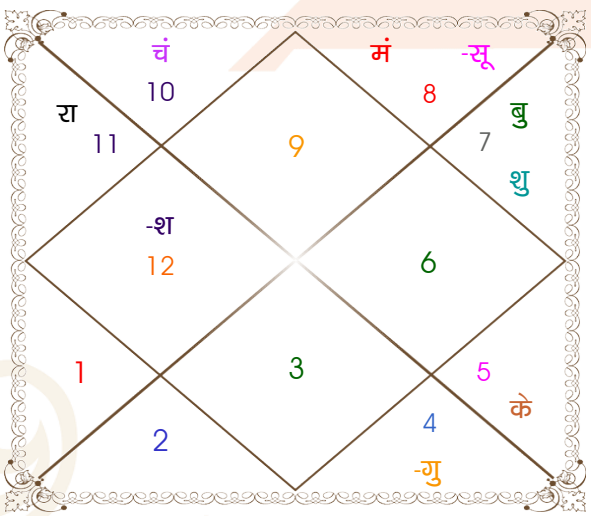

लग्न-चलित

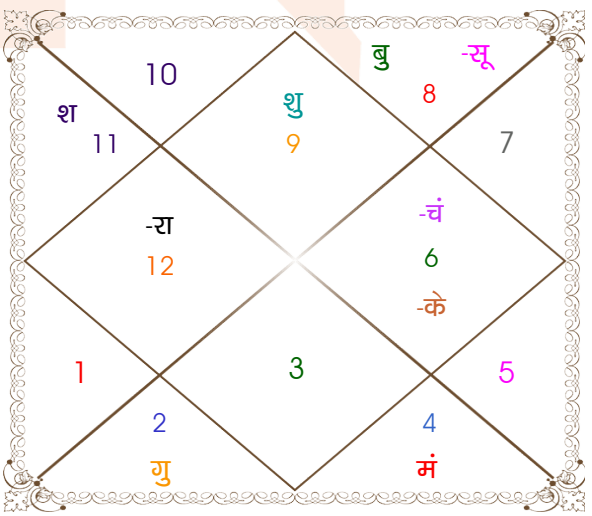

Devadas
Devadas maharsj
+919425087108-9425087109
devadasmaharaj@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।